भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

## खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

राज्‍य सभा

तारांकित प्रश्‍न संख्या 186

5 दिसम्‍बर, 2011 के लिए प्रश्‍न

**खाद्यान्नों की उपलब्धता में वृद्धि**

\*186. श्री राम जेठमलानी**:**

क्या उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरणमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान, खाद्यान्नों की उपलब्धता में प्रति वर्ष 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या खाद्यान्नों की उपलब्धता में हुई इस वृद्धि का लाभ आम उपभोक्ताओं तक पहुंच पाया है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

 उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)

(प्रो0 के0वी0 थॉमस)

(क) से (घ): **विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।**

\*\*\*\*\*\*\*\*

**राज्‍य सभा में दिनांक** 5 दिसम्‍बर, 2011 **को उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्‍न संख्या 186 के उत्तर के भाग (क) से (घ) में उल्लिखित विवरण.**

**(क) और (ख):** कृषि और सहकारिता विभाग से प्राप्‍त सूचना के अनुसार 11 वीं पंचवर्षीय योजनावधि के प्रथम 4 वर्षों के दौरान अर्थात् 2007-08 से 2010-11 तक खाद्यान्‍न उत्‍पादन की वार्षिक औसत वृद्धि दर 2.90% रही है। तथापि, कृषि और सहकारिता विभाग द्वारा दी गई सूचना के अनुसार 11 वीं पंचवर्षीय योजनावधि के प्रथम 4 वर्षों के दौरान भारत में खाद्यान्‍नों की प्रति व्‍यक्‍ति निवल उपलब्‍धता निम्‍नानुसार रही है:-

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| वर्ष | 2007 | 2008 | 2009 | 2010 |
| खाद्यान्‍नों की प्रति व्‍यक्‍ति निवल उपलब्‍धता (ग्राम प्रतिदिन में) | 442.8 | 436.0 | 444.0 | 438.6 |

**(ग) और (घ):**  उपर्युक्‍त को देखते हुए प्रश्‍न नहीं उठते।

..............